भारत - कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य संबंध

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डी आर सी) के साथ भारत के संबंध हमेशा सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण थे। भारत किंशासा में राजनयिक मिशन स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। भारत ने कंटगा प्रांत में विद्रोह को दबाने के लिए ओ एन यू सी (संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन) के तहत 1960-62 के दौरान डी आर सी को अपना गोरखा रेजीमेंट भेजा था। इस समय 5,000 से अधिक भारतीय सैनिक, सैन्य प्रेक्षक तथा पुलिसकर्मी इस देश में अब तक के सबसे बड़े संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना मिशन के तहत तैनात हैं। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की उम्मीदवारी के लिए कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ने समर्थन किया है।

भारत - अफ्रीका मंच की पहली शिखर बैठक में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति जोसेफ कबीला कबांगे ने 8-9 अप्रैल, 2008 को भारत का दौरा किया। उन्होंने माननीय पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह से द्विपक्षीय बातचीत भी की।

विदेश मंत्री श्री अलेक्सिस थाम्बवे मुवांबा ने 27 से 30 अक्टूबर, 2009 के दौरान दिल्ली का दौरा किया। उनके साथ एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल भी आया था जिसमें आयोजना मंत्री एवं डाक, टेलीफोन तथा दूर संचार मंत्री के अलावा प्रमुख मंत्रालयों के वरिष्ठ सलाहकार भी शामिल थे। आयोजना मंत्री श्री ओलीवियर कमिटाटू इत्सू ने अप्रैल, 2010 में दिल्ली का दौरा किया तथा 13 अप्रैल, 2010 को एक द्विपक्षीय निवेश संवर्धन एवं संरक्षण करार पर हस्ताक्षर किया। उप प्रधानमंत्री एवं डाक, टेलीफोन एवं दूर संचार मंत्री ने दूर संचार पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए मई, 2010 में हैदराबाद का दौरा किया। विदेश मंत्री श्री अलेक्सिस थाम्बवे मवांबा ने 18-19 फरवरी, 2011 को आयोजित भारत - सबसे कम विकसित देशों के मंत्री स्तरीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली का पुन: दौरा किया।

बजट के प्रभारी उप प्रधानमंत्री श्री डैनियल मुकोको सांबा के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 5 फरवरी, 2013 को दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक में भाग लिया। जन स्वास्थ्य मंत्री श्री फेलिक्स कबांगे नुम्बी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए मार्च, 2013 में भारत का दौरा किया। अंतर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय सहयोग के लिए उप मंत्री श्री डिस्मास स्वाना एमिना मोंजिया मेगबेंगु ने 17 से 19

मार्च, 2013 के दौरान दिल्ली में भारत - अफ्रीका साझेदारी परियोजना पर आयोजित नवीं सी आई आई - एक्जिम बैंक गोष्ठी में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

विदेश मामले एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मंत्री श्री रेमंड तसीबानडा नटूंगामूलोंगो के नेतृत्व में एक 9 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 13 से 16 मई 2015 तक नई दिल्ली का दौरा किया। भारत के विदेश मंत्री और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के विदेश मंत्री ने 14 मई को आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्टीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा खान मंत्री से भी मुलाकात की।

विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोहों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 29-30 जून, 2010 को किंशासा का दौरा किया।

द्विपक्षीय करार / एम ओ यू

भारत और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के बीच निम्नलिखित द्विपक्षीय करार / एम ओ यू विद्यमान हैं :

- विदेश कार्यालय परामर्श, जिस पर मार्च, 2010 में हस्ताक्षर किया गया।
- राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी एवं सामाजिक - सांस्कृतिक सहयोग के लिए संयुक्त, जिस पर मार्च, 2008 में हस्ताक्षर किया गया।
- सांस्कृतिक सहयोग करार, जिस पर अक्टूबर, 2009 में हस्ताक्षर किया गया।
- निवेश के परस्पर संवर्धन एवं संरक्षण पर करार 13 अप्रैल 2010 को हस्ताक्षर किए गए।

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के लिए भारत की आर्थिक सहायता :

ऋण सहायता (एल ओ सी) : भारत सरकार ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के लिए निम्नलिखित ऋण सहायता को अनुमोदित किया है :

- एक सीमेंट प्लांट की स्थापना के लिए तथा परिवहन क्षेत्र के लिए बसों का अधिग्रहण करने के लिए 33.5 मिलियन अमरीकी डालर (2005-06)। टाटा एवं

अशोक लिलैंड की बसों एवं पुर्जों आदि की आपूर्ति के लिए एल ओ सी पूरा हो गया है। सीमेंट प्लांट पर कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

- 25 मिलियन अमरीकी डालर की ग्रामीण जलापूर्ति परियोजना वर्ष 2011 में पूरी हो गई है।
- बंडुंडु प्रांत में 9.3 मेगावाट की 42 मिलियन अमरीकी डालर की काकोबोला जल विद्युत परियोजना (2010)। इस परियोजना पर कार्य जनवरी, 2011 में शुरू हुआ तथा अच्छी तरह आगे बढ़ रहा है। उम्मीद है कि दिसंबर 2015 से बिजली का उत्पादन शुरू हो जाएगा।
- कसई ओसीडेंटल प्रांत में 168 मिलियन अमरीकी डालर की कटेंडे जल विद्युत परियोजना (64 मेगावाट)। एलओसी पर हस्ताक्षर 11 जुलाई, 2011 को किया गया तथा यह अच्छी तरह आगे बढ़ रही है। उम्मीद है कि परियोजना मार्च, 2016 में पूरी हो जाएगी।
- जुलाई, 2014 में भारत सरकार द्वारा कटेंडे जल विद्युत परियोजना पश्चिमी कसाई प्रांत के लिए 82 मिलियन अमरीकी डालर की अतिरिक्त ऋण सहायता प्रदान की गई।
- बंडुंडु प्रांत में काकोबोला जल विद्युत परियोजना में पैदा होने वाली बिजली के वितरण के लिए विद्युत वितरण परियोजना के विकास के लिए 34.50 मिलियन अमरीकी डालर की एक अन्य ऋण सहायता पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- Aकटेंडे जल विद्युत परियोजना से बिजली के रिक्तीकरण के लिए कसई प्रांतों में पारेषण लाइन और वितरण प्रणाली परियोजना के लिए 109.942 मिलियन अमरीकी डालर की एक और ऋण सहायता के लिए करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

दान / अनुदान :

- 0.66 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य के साजो-सामान एवं पुर्जों के साथ 60 सोनालिका ट्रैक्टर (2006-07)।
- दवाओं की आपूर्ति के लिए 1 मिलियन अमरीकी डालर [2008-09]।
- किंशासा में एक आईटी उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना (अक्टूबर, 2010 में एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया) इस केंद्र को स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।
- अखिल अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना के तहत टेली-एजुकेशन एवं टेली-मेडिसीन की परियोजनाएं कार्यान्वित की गई हैं। वीवीआईपी कनेक्टिविटी परियोजना स्थापित करने के लिए कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की सरकार से मंजूरी की प्रतीक्षा है।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम :

(i) 2012-13 में 93 आई टी ई सी स्लाटों का उपयोग किया गया। 2013-14 तथा 2014-15 में 16 तथा 4 स्लॉटों का उपयोग किया गया।

(ii) 2010-2011 के दौरान आई ए एफ एस-I के तहत प्रस्तावित विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के 9 अधिकारी लाभांवित हुए हैं। 2011-12, 2012-13 और 2013-14 के दौरान आई ए एफ एस-II के तहत प्रशिक्षण में क्रमश: 8, 5 और 2 अधिकारियों ने भाग लिया।

(iii) 2010-2011, 2013-14 एवं 2014-15 के दौरान आई टी ई सी कार्सक्रम के तहत बेयरफुट कॉलेज, राजस्थान में सौर विद्युतीकरण तथा तथा रूफटॉप जल संचयन पाठ्यक्रमों में कांगो की 7 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

(iv) 2012-13 और 2013-14 के दौरान 13 आई सी सी आर छात्रवृत्तियों का उपयोग किया गया।

(v) वर्ष 2014 में अफ्रीकी शोधकर्ताओं के लिए प्रतिष्ठित सी वी रमन अंतर्राष्ट्रीय फेलोशिप का लाभ दो शोधकर्ताओं ने उठाया।

व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंध :

दोनों देशों के बीच व्यापार एवं वाणिज्यिक संबंध सीमित हैं - दूरी एवं अवसंरचना मुख्य रूकावटें हैं। प्राकृतिक संसाधनों जैसे कि कोबाल्ट, कॉपर, डायमंड, गोल्ड, सिल्वर, जिंक, मैग्नीज, टिन, जर्मेनियम, यूरेनियम, रेडियम, बॉक्साइड, लौह अयस्क, कोयला, जल विद्युत एवं टिम्बर की दृष्टि से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य बहुत समृद्ध है। द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की प्रचुर संभावनाएं हैं।

कुछ भारतीय कंपनियां कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में कॉपर, कोबाल्ट एवं डायमंड के खनन के कार्य में लगी हुई हैं। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के भेषज आयात के एक बड़े हिस्से का स्रोत भारत है, इनमें से कुछ का पुन: निर्यात पड़ोसी देशों जैसे कि कांगो गणराज्य, गैबन एवं मध्य अफ्रीकी गणराज्य को किया जाता है। इस देश में 60 से अधिक व्यापार कंपनियां एशियाई मूल के लोगों की हैं; जिनमें से अधिकतर भारतीय हैं। गृह युद्ध से पहले से ही एक भारत - कांगो वाणिज्य एवं उद्योग चेंबर अस्तित्व में है परंतु यह सक्रिय नहीं है।

सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए वाणिज्य सचिव के नेतृत्व में एक बहुक्षेत्रक दल ने जून, 2008 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का दौरा किया। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद के एक 16 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 4 से 6 मार्च, 2010 के दौरान किंशासा का दौरा किया।

22 नवंबर, 2010 को बास कांगो प्रांत में इनगा से किंशासा तक 260 किमी की दूरी में 400 केवी की विद्युत पारेषण लाइन बिछाने के लिए 76.9 मिलियन अमरीकी डालर की संविदा पर कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड, भारत और कांगो राष्ट्रीय विद्युत कंपनी (एस एन ई एल) के बीच हस्ताक्षर किया गया। यह परियोजना यूरोपीय निवेश बैंक द्वारा वित्त पोषित है। जून, 2011 में परियोजना पर कार्य शुरू हो गया। कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड को विश्व बैंक के वित्त पोषण वाली 185 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की एक और परियोजना प्राप्त हुई है जो 2200 किमी की डीसी पारेषण लाइन बिछाने के लिए है। केईसी इंटरनेशनल ने 220 केवी एवं 500 केवी की विद्यमान पारेषण लाइनों पर 2200 किमी की दूरी में आप्टिकल पावर ग्राउंड वायर (ओ पी जी डब्ल्यू) की आपूर्ति एवं संस्थापन के लिए कांगो राष्ट्रीय विद्युत कंपनी के साथ 40 मिलियन अमरीकी डालर के करार पर हस्ताक्षर किया है।

टाटा मोटर्स और महिंद्रा के कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में वितरण केंद्र हैं। भारतीय एयरटेल ने 2010 में जेन कम्युनिकेशन नेटवर्क का अधिग्रहण किया था तथा देश में सेवाओं का विस्तार करने के लिए लगभग 300 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया। इसके लगभग 7 मिलियन सब्सक्राइबर हैं।

द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ें यहां नीचे दिए गए हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	**2006-07**	**2007-08**	**2008-09**	**2009-10**	**2010-11**	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
निर्यात	1.21	4.19	15.26	10.12	6.68	6.88	147.29	181.45	254.16
आयात	17.03	13.79	117.06	144.71	9.82	8.41	19.85	47.29	126.45

सांस्कृतिक सहयोग

भारत और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य ने 29 अक्टूबर, 2009 में सांस्कृतिक सहयोग करार पर हस्ताक्षर किया गया। नेशनल फेस्टिवल ऑफ गुंजू से एक 12 सदस्यीय नृत्य एवं संगीत मंडली ने 1 से 15 फरवरी, 2012 और 1 से 15 फरवरी, 2013 के दौरान सूरजकुंड शिल्पमेला में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। एक 12 सदस्यीय राजस्थानी संगीत एवं नृत्य मंडली ने 17 से 27 जुलाई, 2012 के दौरान कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का दौरा किया तथा किंशासा एवं फेसांग, गुंजू, बांडुंडु प्रांत में अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस मंडली के परफार्मेंस को देखने के लिए भारी संख्या में लोग जमा हुए तथा इसे खूब सराहा गया।

भारतीय समुदाय :

इस उपक्षेत्र में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में भारतीयों का सबसे बड़ा संकेंद्रण है। इस देश में लगभग 9000 भारतीय एवं पी आई ओ (जिन्होंने ब्रिटेन, कनाडा, कीनिया और तंजानिया की नागरिकता ग्रहण कर ली है) रह रहे हैं। वे मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र, व्यवसाय, व्यापार एवं विनिर्माण के काम में लगे हुए हैं। ज्यादातर भारतीय समुदाय गुजरात से है। अन्य मुख्य रूप से केरल, अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों से हैं तथा कुछ लोग उत्तर भारत से भी हैं। इस्माइली समुदाय, जिनकी अनुमानित संख्या 2000 के आसपास है, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एकल सबसे बड़ा भारतीय समुदाय है। कोई भारतीय संघ या सोसाइटी अस्तित्व में नहीं है, हालांकि क्षेत्र / समुदाय आधार पर इस तरह के संघ हैं। भारतीय समुदाय से युक्त कांगो हिंदू मंडल द्वारा किंशासा में एक हिंदू मंदिर का निर्माण किया गया है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, किंशासा की वेबसाइट :
http://eoi.gov.in/kinshasa/

***

जून, 2015